















# पाकिस्तान से क्यों खफा है इस्लामिक मुल्क?

या बाप जारा प्रत्यारोपण कर दिया जाता है। पाकिस्तान का जनसंख्या 147 करोड़ है। अफगानिस्तान की सरजर्मी से किए गए। जबकि, तालिबान ने पाकिस्तान के इस दावे को गलत बताया है। आपको यदि होगा कि बीते जनवरी के महीने में पाकिस्तान के आतंकवादियों के ठिकानों पर ईरान ने हमला बोला था। ईरान ने पिछली 16 जनवरी को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए। ईरान के सरकारी मीडिया के हवाले से कहा गया था कि हमले में मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने पाकिस्तान में बलूची आतंकी समूह जैश-अल-अदल के दो ठिकानों को मिसाइलों से निशाना बनाया। ईरान ने आठ साल पहले सन 2016 में भी पाकिस्तान की परिचर्मी सीमा पर मोर्टार दागे थे। इसलिए कहा जा सकता

न ना पाकिस्तान का भार देना सामा पर भाटा धान या इसालै कहा जा सकता है कि ईरान पहले भी पाकिस्तान को निशाना बना चुका है। पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर की सीमा है। उधर, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच करीब 2400 किलोमीटर लम्बी अन्तरराष्ट्रीय सीमा है जो इसका नाम डूरण्ड रेखा है। दरअसल पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंध तब से लगातार खराब होने लगे जब पाकिस्तान ने पिछले साल अपने देश से अवैध अफगानों को निकालने का सिलसिला शुरू किया। पाकिस्तान से रोज़ सैकड़े अफगानों अपने देश वापस लौट रहे हैं। पाकिस्तान की इस कार्रवाई पर हजारों अफगानिस्तानियों का कहना है कि वे गुजरे कई दशकों से पाकिस्तान में हैं। वे पाकिस्तान की नागरिकता भी ग्रहण कर चुके हैं। इसके बावजूद उह्नें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। यहां पर बड़ा सवाल यही है कि अपने को इस्लामिक संसार का नेता कहने वाले पाकिस्तान से इस्लामिक मुल्क ही खफ़ा क्यों है? इस सवाल का सीधा सा उत्तर है कि पाकिस्तान के डीएनए में ही अपने पढ़ीसियों के लिए संकट पैदा करना है। उसने भारत के खिलाफ़ क्या-क्या हथकंडे नहीं अपनाए। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ़ 1948, 1965, 1971 में युद्ध छेड़े और बुरी तरह से मार भी खाई। जंग के मैदान में धूल में मिलने के बाद पाकिस्तान ने 1999 में करगिल में खुसेठ की तब भी उसका बहुत बुरा हश्श हुआ। पाकिस्तान के साथ दिक्कत यही है कि वह बुरी तरह पिटने के बाद भी सबक नहीं लेता। उसे बार-बार पिटने की आदत सी हो गई है। फिलहाल वह ईरान और अफगानिस्तान से पिटने के लिए तैयार है। अब पाकिस्तान के बांगलादेश से संबंधों की भी जरा बात करनी लीजिए। 1971 तक बांगलादेश हिस्सा था, पाकिस्तान का। अब दोनों जानीने दुश्मन हैं। दोनों एक-दूसरे को फूटी नजर भी नहीं देख पाते। क्यों? बांगलादेश ने 1971 के नरसंहार के गुनहगार और जमात-ए-इस्लामी के नेता कासिमिय अली को फांसी पर लटकाया तो पाकिस्तान को तकलीफ़ होने लगी। बांगलादेश ने साफ़ शब्दों में कह दिया कि वह पाकिस्तान की ओर से उसके आंतरिक मसलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। दोनों मुल्कों के संबंधों में तल्खी को समझने के लिए इतिहास के पन्नों को खंगाल लेना सही रहेगा। शेर-ए-बांगला कहे जाने वाले मुस्लिम लोग के मशहूर नेता ए.के.फजल-उर-हक ने ही 23

अब समझ ल कि पाकिस्तान समाज कितना बशमा स बांग्लादेश मुसलमानों का मजाक बनाता है। वैसे पाकिस्तान अपने को सारी दुनिया के मुसलमानों के पक्ष में खड़ा होने का दावा करता है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भी पाकिस्तान से शिकायत रही है कि वह हर उस मौके पर बांग्लादेश सरकार को कोसता है जब वहां पर 1971 के मुक्ति संग्राम के गुनहगारों को फांसी दी जाती है। यानी पाकिस्तान से सब नाखुश और नाराज हैं। इस बीच, पाकिस्तान में तो आजकल हाहाकार मचा हुआ है। महंगाई के कारण आम पाकिस्तानी दाने-दाने को मोहताज है। रमजान के महीने में लोग भारी कष्ट उठा रहे हैं। बेरोजगारी, अराजकता, कठमुल्लों और मोटी तोंद वाले सेना के अफसरों ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। ये स्थिति दुखद और दुभार्ग्यपूर्ण है, पर इस स्थिति के लिए पाकिस्तान खुद ही जिम्मेदार है। उसने शिक्षा की बजाय सेना के बजट को बढ़ाया है। इसलिए वह लगातार गर्त में जा रहा है। उससे इस्लामिक देश भी संबंध बनाकर रखने को तैयार नहीं हैं।

अ



के मुसलमानों के लिए पृथक रास्ते को मांग कर रहे थे। सात साल बाद 1947 में पाकिस्तान बना और फिर करीब 25 बरसों के बाद खंड-खंड हो गया। ईस्ट पाकिस्तान बांग्लादेश के रूप में दुनिया के मानचित्र पर सामने आता है। यानी पाकिस्तान से एक और मुल्क निकला। और, जो दोनों मुल्क कभी एक ही मुल्क के हिस्सा थे, अब एक-दूसरे की जान के प्यासे हो गए हैं। 1971 में जिस नृशंसता से पाकिस्तानी फौजों ने ईस्ट पाकिस्तान के लाखों लोगों का कल्पे आम किया था, उसको लेकर ही दोनों मुल्क लगातार आमने-सामने रहते हैं। मैं स्वयं इस नरसंहार का प्रत्यक्षदर्शी हूँ। मैं उस समय युद्ध संवाददाता के रूप में लगभग डेढ़ वर्ष भारतीय सेना के साथ बांग्लादेश के स्वतंत्रता

संग्राम के गुनहगारों का फासा दा जाता है। याना पाकिस्तान से सब नाखुश और नाराज हैं। इस बीच, पाकिस्तान में तो आजकल हाहाकार मचा हुआ है। रमजान के महीने में लोग भारी कष्ट उठा रहे हैं। बेरोजगारी, अराजकता, कठमुल्लों और मोटी तोंदवाले सेना के अफसरों ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया है। ये स्थिति दुखद और दुभाग्यपूर्ण है, पर इस स्थिति के लिए पाकिस्तान खुद ही जिम्मेदार है। उसने शिक्षा की बजाय सेना के बजट को बढ़ाया है। इसलिए वह लगातार गर्त में जा रहा है। उससे इस्लामिक देश भी संबंध बनाकर रखने को तैयार नहीं है।

आर.के. सिन्धा

10

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में जब लोकतंत्र महापर्व की रणभेरी बजाने वाली थी तब संयुक्तराष्ट्र महासभा प्रतिवाचन और जीने वे अपनी विकृत भग्नत विद्युतीय विज्ञानशास्त्रीय गटीय लिटा में चला गया था किंतु जब हजारबल ते हमास्के किंतु उसका कोई असर इन देशों के तथाकथित मंच पर नहीं पड़ा संयुक्तराष्ट्र महासभा में भारत ने कहा कि जब विश्व आगे बढ़ रहा है और समाजों के अन्तर्गत वे अंगीकार कर रहा है तब

समाप्त करने के लिए पलटवार  
विकृत रवैये के साथ साम

महासभा के सदस्य राष्ट्र पीड़ित इजहराइल की ही निदा करने लगे। संयुक्तराष्ट्र महासभा का यही दोहरा रवैया पूरे विश्व में मानवाधिकार हनन का कारण है।

संयुक्तराष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने अयोध्या में भगवान राम के दिव्य, भव्य एवं नव्य राम मंदिर तथा भारत के नागरिकता संशोधन अधिनियम का गलत अर्थों में उल्लेख करते हुए इस्लामोफोबिया से संबंधित प्रस्तवा पारित करा लिया जिसके समर्थन में 115 सदस्य देशों ने मतदान करके समर्थन किया और भारत सहित 44 देशों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

अपना पक्ष रखते हुए भारत ने संयुक्तराष्ट्र महासभा में एक बार फिर चीन व पाकिस्तान को बेनकाब किया। महासभा को संबोधित करते हुए भारतीय अधिकारी ने कहा कि गलत सूचनाओं और मंत्रव्यों के आधार पर भारत का भ्रमित करने वाला उत्तरेखंड है।

किया गया है। विश्व का बुद्धिमता से, गहराइ म जाकर और वांश्विक दृष्टिकोण से चीजों को देखने की आवश्यकता है। भारत ने पाकिस्तान के सतही नजरिये को खारिज करने की अपील भी की

आधिक  
से भी  
अन्य स

پاکستان میں دینیک کٹر رہا اور اعلیٰ سانچوں کا عتیڈن  
چرم پر ہونا دیکھ دیتا ہے۔ کبھی بھی دشمن میں کبھی بھی پانچ کے پاتی

चरम पर हाना दुखद ह। कसा भा दश म कसा भा पथ के प्रात नकारात्मक भाव नहीं रखा जाना चाहिए, चाहे वह हिन्दुत्व हो, बौद्ध हो सिख हो या अन्य कोई धर्म। भारत किसी भी धर्म के व्यक्ति के साथ हिंसा या भेदभाव की अनुमति नहीं देता है। उसकी रोकथाम के लिए कड़े और स्पष्ट कानूनी प्रावधान हैं। भारत में सभी धर्म के लोगों के साथ समान व्यवहार होता है और उन्हें अपने तरीके से रहने और उपासना करने का अधिकार है। सभी धर्मों के लोगों के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में कार्य करने का समान अवसर है। कोई उत्पीड़न की शिकायत करता है तो उसके साथ न्याय के लिए मजबूत कानूनी प्रावधान हैं जिसके अंतर्गत कड़ा दंड दिया जाता है।

संयुक्तराष्ट्र महासभा ने चीन व पाकिस्तान के दबाव में आकर इस्लामोफोबिया की आड़ में भारत विरोधी जो प्रस्ताव पारित किया है वह घोर निंदनीय व सत्य से कोसों दूर है। वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान, बांगलादेश व अफगानिस्तान में हिंडुओं पर इतने

आधिक अत्याचार किये गये कि अब इन दशा में वा वा दो प्रातिशत से भी कम रह गये हैं जबकि सिख, बौद्ध, जैन, यहूदी सहित अन्य सभी अल्पसंख्यक पूरी तरह से समाप्त हो चुके हैं।

ੴ ਨਾ ਪ

# ਮਲਕ ਫਾ ਬਨਾਏ ਡਾਇਟ ਫਾ ਹਿੱਸਾ

जाता हा लानक एस कैल लान मा होत ह, जा दूध का सेवन नहीं कर सकते। दरअसल, लैक्टोज इनटॉलरेंज से लेकर वेगन डाइट को फॉलो करने वाले दूध नहीं पी पाते। ऐसे में शरीर में पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए आप नॉन-डेयरी मिल्क का सहारा ले सकते हैं। मटर का दूध यह अखरोट और सोया एलर्जी वाले लोगों के लिए एक बढ़िया विकल्प है। इतना ही नहीं, इसमें कई अन्य पौदों के दूध की तुलना में बहुत अधिक प्रोटीन पाया जाता है। इसके अलावा इसका टेस्ट भी माइल्ड व टेस्टी होता है, जिसके कारण आप इसे आसानी से पी सकते हैं और अलग-अलग रेसिपी में आसानी से शामिल कर सकते हैं। जब नॉन-डेयरी मिल्क की बात होती है तो बादाम मिल्क का नाम जरूर आता है। यह चिकना, हल्का और स्वादिष्ट होता है। इसके अलावा इनमें कम होता हा इसम प्रोटीन कप क्वेल एक ग्राम प्रोटीन होता है। ऐसे में आपको प्रोटीन की दैनिक आवश्यकता की पूर्ति के लिए आपको अन्य विकल्प ढूँढ़ने होंगे। ओट मिल्क पिछले कुछ समय से काफी पॉपुलर हो रहा है। इसमें हर सर्विंग पर 2 ग्राम फाइबर और चार ग्राम प्रोटीन मिलता है। हालांकि अन्य नॉन-डेयरी मिल्क की तुलना में इसमें कैलोरी की मात्रा अधिक होती है। आपको एक कप दूध के सेवन से लगभग 130 कैलोरी मिलती है। इसके अलावा इसमें पोटेशियम और विटामिन ए की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। कोकोनट मिल्क पानी और कोकोनट क्रीम की मदद से मिलकर तैयार किया जाता है। अगर इसके न्यूट्रिशन की बात की जाए तो इसमें फैट अधिक होता है और कार्बोहाइड्रेट कम होता है। इस सुपर क्रीमी कोकोनट मिल्क का फैट नेचर में सेचुरेटिड होता है।

**दि**ल्ली से बेहद पास उत्तराखण्ड का 'मसूरी' वीकेंड पर घूमने के लिए बहुत ही खबसरत जगह है। गुजारा करते थे। इसी कारण यहां का कल्चर अभी भी अंग्रेजों के जमाने का है। मसूरी से 7 किलोमीटर दर लैंडोर (खथद्वादशफ) तक जाना बहुत अच्छा है।

खूबसूरत पहाड़, हरे-भरी वादियाँ, कल-कल करता नदियों का पानी मसूरी को पहाड़ों की रानी बनाता है। गढ़वाल हिमालय पर्वतमाला

राना जनाता है। नेटवाल हमालों परिवारों की तलहटी में स्थित मसूरी बहत ही रोमांटिक प्लेस भी माना जाता है। इस जगह की ऊँचाई समुद्र तल से मसूरी 7000 फीट है, इसी कारण ये जगह बहुत ही ऊँची है। सर्दी के मौसम में यहां खूब बर्फबरी भी होती है। स्नोफॉल को देखने के शौकीनों सैलानियों की सर्दी में यहां भरभर होती है। यहां पर घूमने के लिए बहुत कुछ है। अगर आप अपनी फैमली के साथ यहां घूमने के लिए आते हैं तो यहां पर आप बहुत कुछ देख सकते हैं। इस आर्टिकल में आज हम आपको बताएंगे मसूरी की घूमने लायक जगहों के बारे में। भारत में जब अंग्रेजी हुक्मत हुआ करती थी तो अंग्रेजों का पंसदीद प्लेस मसूरी थी। वह अपना काफी लकड़ उत्पादन के द्वारा विश्व में प्रसिद्ध था।

ਤੁਰਨਤ ਫ  
ਬਾਬਾ॥

**ज्योतिष विज्ञान** के मुताबिक किसी भी व्यक्ति के जीवन पर उसके कर्म के साथ राशि और उससे संबंधित ग्रहों का सीधा प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष विज्ञान से

हम बात हुआ कल, वर्तमान और भावव्य का गणना आसाना से कर ले सकते हैं। ज्योतिष विज्ञान में रक्तों का भी महत्व बताया गया है। रक्त ज्योतिष वेदों अनुसार 'टाइगर रक्त' सबसे अधिक प्रभावी व शीघ्र फल प्रदान करता है। इस रक्त पर टाइगर के समान पिली एवं काली धारिया होने के कारण इसे ''टाइगर रक्त'' कहते हैं। जो व्यक्ति आत्मविश्वास की कमी के कारण बार-बार कार्यों से असफल हो रहा हो या दुखी जीवन व्यतीकार कर रहा हो, उस व्यक्ति को टाइगर स्टोन आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसे धारण करने से हर क्षेत्र में पूर्ण सफलता मिलती ही व व्यक्ति साहस्र बनता है। जिस व्यक्ति का विवाह नहीं हो रहा हो उसे शुक्रल पक्ष का पंचमी तिथि या गुरु पुष्य योग में टाइगर स्टोन धारण करने से शीघ्र विवाह के योग बनते हैं। यदि आप लगातार कर्जे में डूबते जा रहे हो तो शुक्रवार के दिन सिद्ध किया हुआ टाइगर स्टोन गले में लॉकेट के रूप में सफेद धागे में धारण करें। जिन व्यक्तियों को नौकरी में समस्या आ रही या कार्यस्थल में परेशानी हो रही हो तो रविवार को सूर्य की रैशनी में टाइगर स्टोन धारण करने से लाभ होगा। इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें आनंदे से अमोलित प्राप्तियां प्रिलेग।

10



**दि**ल्ली से बेहद पास उत्तराखण्ड का 'मसूरी' वीकेंड पर घूमने के लिए बहुत ही खबसरत जगह है। गुजारा करते थे। इसी कारण यहां का कल्चर अभी भी अंग्रेजों के जमाने का है। मसूरी से 7 किलोमीटर दर लैंडोर (खथद्वादशफ) तक जाना बहुत अच्छा है।

खूबसूरत पहाड़, हरे-भरी वादियां, कल-कल करता नदियों का पानी मसूरी को पहाड़ों की रानी बनाता है। गढ़वाल हिमालय पर्वतमाला की तलहटी में स्थित मसूरी बेहत ही रोमांटिक प्लेस भी माना जाता है। इस जगह की ऊँचाई समुद्र तल से मसूरी 7000 फीट है, इसी कारण ये जगह बहुत ही ठंडी है। सर्दी के मौसम में यहां खूब बर्फबरी भी होती है। स्टोफॉल को देखने के शौकीनों सैलानियों की सर्दी में यहां भरमार होती है। यहां पर घूमने के लिए बहुत कुछ है। अगर आप अपनी फैमली के साथ यहां घूमने के लिए आते हैं तो यहां पर आप बहुत कुछ देख सकते हैं। इस आर्टिकल में आज हम आपकों बताएंगे मसूरी की घूमने लायक जगहों के बारे में। भारत में जब अंग्रेजी हुकूमत हुआ करती थी तो अंग्रेजों का पंसदीद प्लेस मसूरी थी। वह अपना काफी लालू उत्तरांहट के द्वारा बिल्डरेजन पर छावनी ऐरिया है। यहां पर अगर आप आते हैं तो आपकों काफी शांति मिलेगी। लैंडोर के बाजार में आप शॉपिंग भी कर सकते हैं। यहां पर कुछ प्लाइट है जहां से लैंडोर की खूबसूरती को निहारा जा सकता है। देहरादून डिवेलपमेंट अथर्विटी के अधीन मसूरी लेक देखने के लिए भा पर्टकों का जमावड़ा लगता है। मसूरी घूमने आये लोगों मसूरी लेक भी घूमने जा सकते हैं। मसूरी लेक हाल में बना टूरिस्ट अट्रेक्शन है। जब आप देहरादून से मसूरी की तरफ आते हैं तो मसूरी पहुंचने से 6 किलोमीटर पहले ही मसूरी लेक है। आप इसे भी आते बक्त देख सकते हैं। लेक में एंजोय करने के लिए बोटिंग की भी सुविधा है। यहां आप आराम से 1 से 2 घंटे बीता सकते हैं। मसूरी जाओं और केंपटी फॉल्स न देखों ऐसा बिलकुल मत करना। मसूरी के ट्रीप को और यादगार बनाता है लंडंग का केपारी पार्कलू।

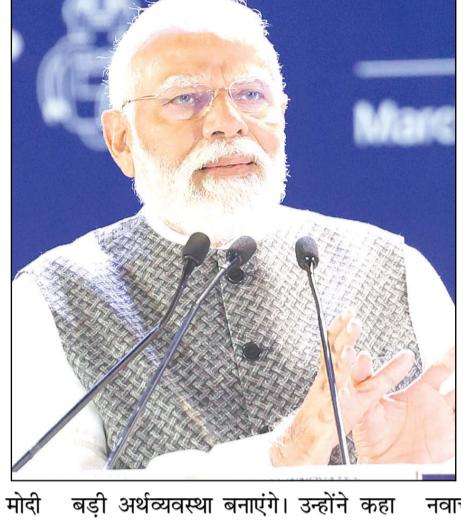






# भारत में दुनिया की तीसरी बड़ी स्टारअप पारिस्थितिकी : मोदी

एंजेसी



नयी दिल्ली! प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 1.25 लाख से अधिक स्टारअप और 110 यूनिकॉर्न के साथ भारत दुनिया की तीसरी बड़ी स्टारअप पारिस्थितिकी के रूप में उभरा है और सही नियमों के साथ एक विकासित राष्ट्र बनने का रोडमैप तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टारअप महानुभ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की स्टारअप पारिस्थितिकी अब सिफे मेट्रो शहरों तक ही सीमित नहीं है, यह अब एक सामाजिक संस्कृति बन चुकी है। इस मौके पर मोदी ने बाद किया कि वह अपने तीसरे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। उन्होंने कहा कि स्टारअप भारत की प्रगति में बड़ी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, 'स्टारअप

इंडिया पहले ने नवीन विचारों का मंच दिया और उद्दिष्टों और उद्देश्यों को वित्तीयों से जोड़ा। मोदी ने लोगों की बदलती मानसिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के युवाओं ने नौकरी की तलाश करने के बजाय नौकरी देने वाला बनने का रसात चुना है। उन्होंने कहा कि 45 प्रतिशत से अधिक भारतीय स्टारअप की कमान महिलाओं के पास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण कर दिया है, लिहाजा इस क्षेत्र में साधन-संपन्न और वंचित का सिद्धांत काम नहीं कर सकता है। मोदी ने कहा कि अंतरिम बजट में अनुसंधान और नवाचार के लिए घोषित एक लाख करोड़ रुपये के कोष से उद्दीयमान क्षेत्रों को मद्द मिलेगी।

राहुल गांधी को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली राहत

रांची। झारखंड में मानवान्तरी समझौते में चाईबासा स्थित एपी-एमएलए की विशेष अदालत द्वारा कंग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ 27 फरवरी 2024 को जारी है। राजनाती वारंट को चुनौती देने वाली याचिका की मुनवाई आज झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा की एपी-एमएलए कोटर द्वारा जारी है। राजनाती वारंट को लिए शर्त के साथ स्थिरता प्रदान कर दिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी की याचिका को निपादित कर दिया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी को लेकर राहुल गांधी द्वारा एक अपरिजित टिप्पणी की गई थी। जिसे लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोटर में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायतवाद दायर किया गया था। बाद में मामले को चाईबासा में एपी-एमएलए कोटर में इसे ट्रांसफर कर दिया गया था।

# पप्पू यादव की जनाधार पार्टी का कांग्रेस में विलय

एंजेसी

नयी दिल्ली। पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे बिहार के प्रमुख नेता पप्पू यादव की अधार पार्टी का बुधवार को कंग्रेस में विलय हो गया।

कंग्रेस की बिहार की प्रभारी महासचिव मोहन प्रकाश, पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कंग्रेस के नेता शशील अहमद ने आज यहां कंग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान श्री यादव और उनके पुत्र सारथ के प्रधारी महासचिव प्रकाश का साथ स्थिरता प्रदान कर दिया।

श्री प्रकाश ने श्री यादव का समर्थकों के साथ कंग्रेस में शामिल होने पर उनका कांग्रेस मजबूत होगी और इंडिया गठबंधन कोटर में इसे ट्रांसफर कर दिया गया था।



ने कहा कि जनाधार पार्टी के प्रधारी महासचिव मोहन प्रकाश, पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कंग्रेस के नेता शशील अहमद ने आज यहां कंग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान श्री यादव और उनके पुत्र सारथ के प्रधारी महासचिव प्रकाश का साथ स्थिरता प्रदान कर दिया।

श्री प्रकाश का साथ स्थिरता प्रदान कर दिया।

देश के पूर्वी हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान जारी

एंजेसी

हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार जाते हैं। पौसे विभाग ने आज और गुरुवार को तेलंगाना, तटीय औंध्र प्रदेश और यानम जारी की है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पर्यावरण बंगलाल और सिक्किम में 26 मार्च तक अलां-अलां झानों पर गरज के साथ व्यापक रूप से मध्यम बारिश होने का अनुमान जारी गया है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है। बिहार के मुताबिक 20-21 मार्च को गांगेय परिचय बंगाल, बिहार और 20 मार्च को झारखंड,

ओडिशा में कहा, बुधवार से 23 मार्च तक पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी परिचय बंगलाल और सिक्किम में 26 मार्च तक अलां-अलां झानों पर गरज के साथ व्यापक रूप से मध्यम बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है। बिहार के मुताबिक 20-21 मार्च को गांगेय परिचय बंगाल, बिहार और 20 मार्च को झारखंड, ओडिशा में अलां-अलां झानों पर गरज के साथ छींटे और तेज बाहुओं के साथ अधिकतम वर्षा हो सकती है। इसके लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी विशेष के प्रधार के तहत 24 मार्च तक जम्मू-कश्मीर, लदाख, गिलगित, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के लिए गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जारी की गयी है।

मौसम विभाग ने बताया कि ताजा परिचयी व

